विषय-सूची ।

प्रस्तावना—मंगल विनय

१—पुरोहित विश्वभूति पृ० १

२—कमठ और मरुभूति ... ७

३—राजर्षि अरविंद और वनहस्ति १५

४—चक्रवर्ती वज्रनाभि और कुरंग भील २३

५—आनन्दकुमार २९

६—उस समयकी दुनिया .. ३८

७—तत्कालीन धार्मिक परिस्थिति ६३

८—बनारस और राजा विश्वसेन ९०

९—भगवानका शुभ अवतार १०९

१०—कुमार जीवन और तापस समागम ११९

११—धरणेन्द्र-पद्मावती कृत-ज्ञताज्ञापन १२६

१२—नागवंशजोंका परिचय...१५४

पद्मपुराणके अनुसार नाग विद्याधर १५५

आज कलकी दुनिया भारतवर्षमें... ..१५६

रावणकी लंका और पाताल १६०

मिश्रमें लंका और अबीसीनियामें पाताल लंका १७०

मध्यभारत व मध्यद्वीपमें लंका नहीं १८३

मिश्रमें जैनधर्म ...१८६

पाताल मध्य ऐशियामें १९४

मध्य ऐशियामें जैनधर्म १९९

नागवंशज मध्य ऐशिया-वासी थे २०१

१३—भगवानका दीक्षाग्रहण-तपश्चरण २०३

१४—ज्ञानप्राप्ति और धर्मप्रचार २१६

विदेशोंमें भगवानका विहार २३१

१५—भगवानका धर्मोपदेश...२३८

१६—धर्मोपदेशका प्रभाव ...२८४

वैदिक ऋषियोंपर असर २८९

१७—भगवानके प्रमुख शिष्य ३०५

भगवानके गणधर ...३०९

मुनि पिहिताश्रव ...३११

श्वेताम्बर शास्त्रोंमें पार्श्व शिष्य ३२०

१८—मक्खलिगोशाल, मौद्गलायन, प्रभृति ३२२

१९—सागरदत्त और बन्धुदत्त श्रेष्ठी ३३३

२०—महाराजा करकण्डु ...३४०

२१—जिनेन्द्रभक्त सेठ ...३६१

२२—विद्युच्चर मुनि ३६५

२३—राजा वसुपाल और चित्रकार ३६९

२४—भगवानका निर्वाण लाभ ३७०

२५—भगवान् पार्श्वनाथ और महावीरस्वामी ...३७८

२६—उपसंहार ४०२

२७—ग्रंथकारका परिचय ...४०७